अप्रैल से जून 2017 (त्रैमासिक)

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

हिंदी वाणी

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एंव सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)

(इलेक्ट्रॉनिकी एंव सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था)

द्वितीय मंजिल,पार्श्वनाथ मेट्रोमॉल, इन्द्रलोक मेट्रो स्टेशन, इन्द्रलोक, दिल्ली - 110052

मुख्यालय : इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन , 6 सी जी ओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003

रा.इ.सू.प्रौ.सं. दिल्ली केंद्र
इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन, पार्श्वनाथ नाथ मेट्रो मॉल,
नई दिल्ली -110052

संदेश

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एंव सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.), दिल्ली केंद्र ने तकनीकी के क्षेत्र में और डिजिटल भारत निर्माण के सहयोग के क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किए हैं । इसी अनुसरण में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के अन्तर्गत सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हम गम्भीरता से प्रयास कर रहे है । इसके कुछ अच्छे परिणाम सामने भी आ रहे है । केंद्र में हिंदी का प्रयोग और हिंदी संबंधी गतिविधियां काफी बढ़ी है ।

नाईलिट दिल्ली केंद्र की हिंदी वाणी का यह प्रथम अंक हमारा एक ऐसा प्रयास है जिससे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन मिलेगा तथा हिंदी का प्रयोग और अधिक बढ़ेगा ।

शुभ कामनाओं सहित

दिनांकः 20 जुलाई 2017

(शमीम खान)
प्रभारी निदेशक

परिचय

रा.इ.सू.प्रौ.सं, नई दिल्ली की स्थापना मार्च 2000 में की गई थी। यह स्थापित मानदंडों वाला व्यवसायिक रुप से तकनीकी प्रबंधन केन्द्र है। यह एक आईटी कार्पोरेट है जिसकी कार्य-नीतियां सुस्पष्ट हैं और यह अपने विभिन्न कार्यों का आईटी - समाधान अपने ग्राहकों को प्रदान करता है। इस संस्थान ने गुणवत्तायुक्त कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करने और सरकार की विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाएं संचालित करने में अपनी क्षमता सिद्ध की है। नवंबर 2012 में नाईलिट दिल्ली केंद्र एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में अस्तित्व में आया । इस संस्थान ने अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं जिनमें अनेक अस्पतालों, दिल्ली सरकार, सरकारी उपक्रम, भारत सरकार के स्वायत निकायों और विभिन्न सरकारी कार्यालयों की विभिन्न टर्नकी आईटी परियोजनाओं का कंप्यूटरीकरण सहित, निष्पादन के अनेक कार्य किए हैं । दिल्ली सरकार के लगभग सभी कार्यालयों के लिए आईटी योजना तथा उनमें जनशक्ति प्रदान की है ।

प्रशिक्षण, कंप्यूटरीकरण, आईटी योजना, वेबसाइट निर्माण और वेब प्रयोग निर्माण हमारे मुख्य उद्देश्य है, जिसमें हमनें एक संस्थान के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जिससे हमारा नाम प्रतिष्ठित हुआ है। संस्थान डी ई ओ ओ लेवल / ए लेवल /बी लेवल तथा मल्टीमीडिया आदि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अलावा यह छात्रों और व्यवसायियों के लिए अनेक लघु और दीर्घावधि पाठ्यक्रम संचालित करता है।

हाल ही में इस संस्थान ने भारत सरकार के “डिजिटल भुगतान” प्रयासों को बढ़ावा देने के क्षेत्र में देश भर में डिजिटल भुगतान प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करके नागरिकों, व्यवसायियों , एवं अधिकारियों / कर्मचारियों को प्रशिक्षित करके प्रतिष्ठा अर्जित की है ।

नाईलिट दिल्ली केंद्र के प्रशिक्षण विभाग की तिमाही की गतिविधियों पर एक नज़र :

दिल्ली दूरदर्शन केंद्र तथा आकाशवाणी केंद के कर्मियों के लिए नेटवर्क तथा सर्वर एड्मिनिसट्रेशन पर कार्पोरेट प्रशिक्षण :

नाईलिट दिल्ली केंद्र द्वारा दिनांक 15 मई 2017 से 26 मई 2017 तक विभिन्न दूरदर्शन केन्द्रों के 20 अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय ब्राडकास्टिंग एवं मीडिया अकादमी , किंग्सवे कैंप दिल्ली में नेटवर्क तथा सर्वर एडमिनिस्टरेशन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से नेटवर्क तथा सर्वर प्लेटफार्म विकास पर केन्द्रित था तथा यह उन इंजीनीयरों के लिए था जो दूरदर्शन तथा आकाशवाणी केन्द्रों में ट्रांसमीटरों तथा स्टेशनों पर कार्य करते हैं । यह प्रतिष्ठित संस्थान पिछले आठ वर्षों से नाईलिट दिल्ली से सेवाएँ ले रहा है । राष्ट्रीय ब्राडकास्टिंग एवं मल्टीमीडिया अकादमी के सहायक महानिदेशक श्री एल एल जार्ज ने इस प्रशिक्षण औयर नाईलिट दिल्ली की कौशल विकास क्षमता की प्रशंसा की तथा पिछले कुछ वर्षों में दूरदर्शन केंद्र तथा आकाशवाणी केन्द्रों के इंजीनीयरों की नाईलिट द्वारा क्षमता निर्माण की विशेष रूप से प्रशंसा की ।

पुनर्वास महानिदेशालय :-

नाईलिट दिल्ली भारतीय सेना, नौसेना , वायुसेना के लिए पुनर्वास कोर्स चलाने में अहम भूमिका निभाता रहा है । हाल ही में नाईलिट दिल्ली ने रक्षा मंत्रालय द्वारा नामित 43 कार्मिकों के लिए मल्टीमीडिया तथा एनीमेशन में एक डिप्लोमा कोर्स शुरु किया है । यह तीन माह का प्रशिक्षण कोर्स मल्टीमीडिया कौशल के विकास तथा मल्टीमीडिया टूल्स के प्रयोग पर केन्द्रित है । रक्षा सेवाओं से सेवानिवृति के बाद इस कोर्स से रोजगार मिलने में सहायता मिलेगी । यह प्रशिक्षण अद्यतन औद्योगिक मानदंडों के अनुसार डिजाइन किया गया है ।

दिल्ली केंद्र में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण बैच :=

दिल्ली केंद्र बी टेक /एम सी ए /एम टेक विद्यार्थियों के लिए आधुनिक तकनीकों एण्ड्रोयड, एम्बेडिड सिस्टम, जावा, पी एच पी, नेट इत्यादि के क्षेत्र में 6 / 8 सप्ताह के परियोजना आधारित अल्प अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कोर्स भी चला रहा है । नाइलिट दिल्ली केंद्र ने " इन्टरनेट ऑफ थिंग्स फॉर एड्वांसमैंट ऑफ टेकनोंलोजी इन एम्बोडिड सिस्टम " पर एक नया कोर्स भी शुरू किया है । केंद्र में चलाये जा रहे सभी पाठ्यक्रमो की बड़ी मांग है तथा ये औद्योगिक आवश्यकताओं की मांग को पूरा करते हैं ।

जनशक्ति अनुभाग की गतिविधियां :

जनशक्ति अनुभाग का मुख्य कार्य आई टी स्त्रोत एवं आई टी क्षेत्र की परामर्शी सेवाएँ प्रदान करना है ।

अपने संस्थान द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराना भी इस अनुभाग का कार्य है । अप्रैल से जून 2017 की तिमाही के दौरान 77 विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया तथा 243 विद्यार्थियों को रोजगार में विस्तारण प्रदान किया गया । इसके अतिरिक्त पाँच नए विभाग भी जनशक्ति अनुभाग से जुड़े हैं । इसके अतिरिक्त संशोधित न्यूनतम वेतन कार्यान्वित किया गया है । साथ ही पी वी वी एन एल मेरठ (उ,प्र) के साथ एक नया अनुबंध किया गया है जिसके अंतर्गत हम उनकी परियोजना गतिविधियों के लिए आई टी रिसोर्स जनशक्ति उपलब्ध कराएंगे ।

जहां तक केंद्र में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन का संबंध है इस दिशा में काफी प्रगति हुई है । प्रगति की झलक निम्नलिखित विवरण में स्पष्ट दिखाई पड़ती है:-

- केंद्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठके प्रत्येक तिमाही में नियमित रुप से आयोजित की जाती है ।
- केंद्र में हिंदी के प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट समय पर नायलिट मुख्यालय एवं राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन, दिल्ली को भेज दी जाती है।
- सभी अधिकारियों / कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित एवं प्रशिक्षित करने के लिए समय - समय पर हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है । कार्यशालाओं में राजभाषा नियमों की जानकारी दी जाती है तथा हिंदी में टिप्पण आलेखन का प्रशिक्षण दिया जाता है ।
- केंद्र के सभी कम्पयूटरों पर हिंदी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है

केंद्र के सभी नामपट्ट / बोर्ड / विजिटिंग कार्ड एवं मुहरों को द्विभाषी कर दिया गया है । सभी मानक प्रपत्रों एवं सामान्य प्रपत्रों का हिंदी अनुवाद उपलब्ध करा दिया गया है ।

- संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 01 जून 2016 को दिल्ली केंद्र का मौखिक साक्ष्य राजभाषा निरीक्षण किया गया था । समिति ने जिन कमियों का उल्लेख किया था, उन्हें दूर करने का आश्वासन दिया गया था । सभी आश्वसन पूरे कर दिए गए है और कमियों को दूर कर दिया गया है ।
- इसके अतिरिक्त राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय,दिल्ली के अनुसंधान अधिकारी द्वारा भी दिनांक 05-05-2016 को केंद्र का राजभाषा निरीक्षण किया गया । निरीक्षण अधिकारी द्वारा निरीक्षण रिपोर्ट में केंद्र में हिंदी कार्यान्वयन की प्रगति की प्रशंसा की गई ।
- केंद्र में प्रवेश द्वार पर लगे सूचना पट्ट पर प्रतिदिन आज का शब्द और सुविचार लिखा जाता हैं तांकि संस्थान में आने वाले लोगों एवं अधिकारियों / कर्मचारियों को हिंदी के लिए प्रेरित किया जा सकें ।
- माह सितम्बर, 2016 में हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । इस अवसर पर हिंदी की चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण- पत्र देकर सम्मानित किया गया । सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से बढ़ चढ़ कर भाग लिया ।
- माननीय निदेशक महोदया द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया । अपने मार्गदर्शी सम्बोधन में उन्होनें हिंदी कार्य की प्रगति के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया ।

नाईलिट दिल्ली केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से उन्हें हिन्दी में लेख/कविता/गीत इत्यादि लिखने के लिए प्रेरित किया जाता है । प्रथम अनुसरण में इन कविताओं में इस प्रयास की झलक दिखाई पड़ती है ।

रिश्ते

मीठे बोल, मधुर व्यवहार
यही है मजबूत रिश्तों का आधार
दिल को दिल से मिलाना ,प्यार की डोर से सजाना
यही है मजबूत रिश्तों का आधार
न कुछ पाने की तलब, न कुछ छूटने का गम
यही है मजबूत रिश्तों का आधार
गिले शिकवे भुलाना, बस चाहो मन से निभाना
यही है मजबूत रिश्तों का आधार
नफरत की न करो बात, बस बांटते चलो प्यार
यही है मजबूत रिश्तों का आधार

भारत भूषण दुआ
संयुक्त निदेशक (तकनीकी)

प्रिय पिता

पकड़ आपकी उँगलियाँ, अपने नन्हें हाथों से
आप हमारे प्रिय रखवाले, उठना बैठना सदा सिखाते
वो दिन बहुत ही पीछे छूटे, उनकी अब क्या बात करें
आपने हमें कितना पढ़ाया, कैसे सीखना, कैसे बढ़ना
जिनकी हम प्रशंसा करते, उनमें, सबसे ऊपर नाम आपका
आप हमारे संग यहाँ हो, इस कारण से हम मुस्काते
चाहे हम हों बड़े या छोटे, आपकी ईमानदारी, मजबूती
लक्ष्य केवल यही सिखाते अपना लक्ष्य स्वयं ही पाओ
आपकी वह देखभाल, कोमल व मजबूत आचरण
बीते सालों के साथ साथ ही , इनको और दमकता देखा
स्वीकृति आपकी परिपूर्णता, तो अस्वीकृति भी उत्साह बढ़ाती
आपकी हंसी तो मानो जैसे, सीधे अन्तर्मन तक जाती
आपने हमको यही सिखाया, दुनिया की कठिनाइयाँ भूलो
तब ही तो तुम तैर सकोगे
शब्द कहाँ जो अनुभव लिखें, कविता कोई क्या बतलाए
तब ही तो हम खुश हैं इतना ।

भारत भूषण दुआ
संयुक्त निदेशक (तकनीकी)

मै अकेला

न हो साथ कोई अकेले बढ़ो तुम
सफलता तुम्हारे चरण चूम लेगी।
सदा जो जगाये बिना ही जगा है
अँधेरा उसे देखकर ही भगा है।
वही बीज पनपा पनपना जिसे था
घुना क्या किसी के उगाये उगा है
अगर उग सको तो उगो सूर्य से तुम
प्रखरता तुम्हारे चरण चूम लेगी॥
सही राह को छोड़कर जो मुड़े
वही देखकर दूसरों को कुढ़े हैं।
बिना पंख तौले उड़े जो गगन में
न सम्बन्ध उनके गगन से जुड़े हैं
अगर बन सको तो पखेरु बनो तुम
प्रवरता तुम्हारे चरण चूम लेगी॥
न जो बर्फ की आँधियों से लड़े हैं
कभी पग न उसके शिखर पर पड़े हैं।
जिन्हें लक्ष्य से कम अधिक प्यार खुद से
वही जी चुराकर तरसते खड़े हैं।
अगर जी सको तो जियो जूझकर तुम
अमरता तुम्हारे चरण चूम लेगी॥

पंकज शर्मा
जनशक्ति अनुभाग

पिता

जीवन में बहुत कुछ सीखा,
पर न सीखा अकेले चलना,
जब समझना चाहिए था कुछ,
तब समझ नहीं पाया कुछ
आज जब अकेले चलना है तो,
अकेले खुद को पाया मै,
पिता कितना अनमोल होता है,
आज समझ पाया मैं ॥
पिता पिता होता है सुना था मैंने,
पिता होता क्या है आज समझ पाया मैं
आज प्यार है इतना मुझे पिता से,
पर पास न हूँ मैं उनके ।
लेकिन साथ हमेशा है आपका
ये वादा मेरा खुद से ॥

मनोज कुमार,
जनशक्ति अनुभाग

स्वछता अभियान

राष्ट्र के स्वछता अभियान मे,
तुम भी सम्मिलित हो जाओ ।
इसके प्रचार प्रसार प्रयोग मे,
भली-भांति हाथ बढ़ाओ,
यहाँ वहाँ जहां तहां कही भी
कुडा-कर्कट गंदगी न फैलाओ ।
घर, स्कूल, मंदिर,
मार्केट मे हो साफ- सफाई
समझो और सबको समझाओ ।
घिसी- पिटी पुरानी रीतियो से ,
यथा शीघ्र छुटकारा पाओ।
स्वछ भारत बनेगा स्वछ भारत ,
सब को विश्वास दिलाओ ।

निलेश कुमार
जनशक्ति अनुभाग

नाईलिट दिल्ली केंद्र में जनशक्ति अनुभाग, प्रशिक्षण अनुभाग , प्रशासन अनुभाग, वित्त अनुभाग , एवं सी सी सी अनुभाग विशेष रूप से हिन्दी कार्यान्वयन के प्रति समर्पित हैं । समय समय पर अपने मुख्यालय , राजभाषा विभाग, एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) से मिलने वाले मार्गदर्शन, एवं दिशा निदेशों को नाइलिट दिल्ली केंद्र द्वारा गंभीरता से लिया जाता है तथा अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है ।

दिनांक 30 जून 2017 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) की बैठक में केंद्र के निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं नामित राजभाषा अधिकारी तथा हिन्दी कार्यपालक द्वारा भाग लिया गया ।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली केंद्र) भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति पूरी तरह समर्पित है ।

---------- समाप्त ----------